हरिभूमि

शौर्य भूमि

7

जबलपुर, सोमवार 30 मार्च 2026

login : www.haribhoomi.com

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

खबर संक्षेप

मंडला में 30 मार्च को सार्वजनिक अवकाश घोषित, 31 मार्च को कार्यालय खुले रहेंगे

मण्डला। जिला प्रशासन ने सार्वजनिक अवकाश में बदलाव करते हुए नया आदेश जारी किया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री सोमेश मिश्रा द्वारा जारी आदेश के अनुसार, पहले 31 मार्च, दिन मंगलवार को घोषित "महावीर जयंती" अवकाश को संशोधित कर अब 30 मार्च, दिन सोमवार को पूरे जिले में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। यह निर्णय मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशों तथा स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि 31 मार्च को सभी शासकीय कार्यालय एवं संस्थान सामान्य रूप से खुले रहेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। जिला प्रशासन ने संबंधित सभी विभागों को निर्देशित किया है कि वे संशोधित अवकाश आदेश का पालन सुनिश्चित करें।

बाल देखरेख संस्था में सीएनसीपी बालकों के प्रवेश के लिए कार्यशाला 30 मार्च को

मण्डला। बाल कल्याण समिति जिला मंडला, महिला एवं बाल विकास विभाग और आदर्श बाल गृह (बालक) द्वारा सोमवार 30 मार्च को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री गजेंद्र गुप्ता ने बताया कि जोखिम ग्रस्त और हाशिए में रह रहे बालकों के चिन्हांकन और उनके संस्थागत पुर्नवास के लिए यह कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इस कार्यशाला का उद्देश्य 18 वर्ष तक की आयु के ऐसे बच्चों का चिन्हांकन कर बाल देखरेख संस्था में प्रवेश दिलाना है जिन्हें संस्थागत देखरेख की आवश्यकता है। कार्यशाला में बाल संरक्षण के लिए कार्यरत संस्थाओं, सामाजिक कार्यकर्ता और महिला बाल विकास विभाग में इम्पैनल सपोर्ट पर्सन सहभागिता करेंगे। प्रतिभागियों को बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष और सदस्यगण, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा आदर्श बाल गृह के अधिकारियों और कर्मचारियों के द्वारा यूएनसीआरसी, किशोर न्याय अधिनियम 2015, देखरेख और संरक्षण के जरुरतमंद बालक और प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी।

राज्यपाल के दौरे को लेकर प्रशासन अलर्ट

मण्डला। आगामी 1 अप्रैल को प्रस्तावित राज्यपाल के दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा कार्य विभाजन आदेश जारी किया गया है, जिसमें विभिन्न अधिकारियों और कर्मचारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। आदेश के अनुसार, राज्यपाल का कार्यक्रम ग्राम कन्हारीकला (तहसील बिछिया) में आयोजित होना प्रस्तावित है। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए मंच व्यवस्था से लेकर पशु मेला और स्वास्थ्य शिविर तक की जिम्मेदारियां निर्धारित की गई हैं।

छोटे बच्चे एवं बुजुर्ग भी रहे बड़ी संख्या में शामिल

3000 से अधिक नर्मदा भक्तों ने की एक साथ उत्तरवाहिनी परिक्रमा

*** मध्यप्रदेश के अलावा दूसरे प्रांतों से भी आये नर्मदा भक्त।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मण्डला नगर की महिष्मती नर्मदा उत्तरवाहिनी परिक्रमा अब देश और विदेश में मण्डला की पहचान बनती जा रही है। नर्मदा उत्तरवाहिनी परिक्रमा करने के लिये आने वाले नर्मदा भक्तों की संख्या में प्रतिवर्ष इजाफा हो रहा है चैत्र माह में प्रत्येक वर्ष उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा का आयोजन होता है मण्डला में माँ नर्मदा लगभग 21 किलोमीटर उत्तर दिशा की ओर प्रवाहित हुई हैं यही वह क्षेत्र है जिसकी परिक्रमा चैत्र मास में की जाती है इस परिक्रमा को करने न केवल जिले के एवं अन्य जिलों के श्रद्धालु भी मण्डला आते हैं अब तो अन्य प्रदेशों के एवं विदेशों से भी नर्मदा भक्तों के आने का क्रम प्रारंभ हो गया है।

28 एवं 29 को हुआ सामूहिक परिक्रमा का आयोजन

चैत्र माह में यूं तो पूरे माह भर श्रद्धालु माँ नर्मदा की परिक्रमा करते हैं लेकिन इस बीच एक आयोजन ऐसा भी होता है जिसमें बड़ी संख्या में नर्मदा भक्त एक साथ उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा में चलते हैं यह आयोजन माँ महिष्मती नर्मदा उत्तरवाहिनी परिक्रमा आयोजन समिति द्वारा आयोजित किया जाता है। पहले के वर्षों में 02 सामूहिक परिक्रमा का आयोजन किया जाता रहा है लेकिन इस वर्ष सामूहिक परिक्रमा का आयोजन एक ही हुआ है इसके पीछे कारण यह था कि चैत्र माह में रोजाना कभी 100, कभी 50, कभी 30, कभी 150 की संख्या में श्रद्धालुओं परिक्रमा करते रहे हैं ऐसे में आयोजन समिति द्वारा 02 बड़े सामूहिक परिक्रमा का आयोजन कर पाना संभव नहीं था लिहाजा सामूहिक परिक्रमा का एक ही आयोजन हुआ और यह परिक्रमा 28 मार्च को सुबह 06 बजे प्रारंभ हुई जो कि कल 29 मार्च को शाम के समय संपन्न हुई।

हजारों भक्त हुये शामिल

28 मार्च दिन शनिवार को जब व्यास नारायण मंदिर में संकल्प पूजा के साथ परिक्रमा प्रारंभ हुई तो परिक्रमावासियों का हुजुम देखते ही बन रहा था परिक्रमा के पूर्व परिक्रमावासियों द्वारा आयोजन समिति के समक्ष पंजीयन कराया गया था यह पंजीयन 1836 नर्मदा भक्तों ने उत्तरवाहिनी परिक्रमा के लिये कराया था लेकिन जब व्यास नारायण मंदिर में संकल्प पूजा के लिये नर्मदा भक्तों का आना प्रारंभ हुआ तो देखते ही देखते ही यह संख्या 3000 से ऊपर जा पहुंची बहुत से नर्मदा भक्त बिना पंजीयन के ही इस यात्रा में शामिल हुये इसके अलावा बहुत से नर्मदा भक्त ऐसे भी थे जिन्होंने सुबह 08 बजे के बाद अपनी परिक्रमा प्रारंभ की इन लोगों का पहले परिक्रमा करने का कोई भी मन या निर्णय नहीं था लेकिन अन्य भक्तों को देखते हुये और सोशल मीडिया में जिस तरह की तस्वीरें एवं वीडियों वायरल हुये उन्हें देखकर लोग भी अपने घरों से परिक्रमा के लिये निकल पड़े। व्यास नारायण मंदिर में संकल्प पूजा के बाद परिक्रमा नर्मदा तट पहुंची और माँ नर्मदा की पूजा अर्चना के बाद परिक्रमा तट पार कर महाराजपुर संगम की ओर रवाना हुई।

तट पार करने का जो सिलसिला सुबह 06 बजे से प्रारंभ हुआ वह लगभग 10 बजे तक जारी रहा। संगम घाट में लगभग 09 की संख्या में नाव उपलब्ध थी जिनमें 10 से 12 यात्री ही तट पार कर पा रहे थे लिहाजा समय काफी लगा बहुत से परिक्रमावासी पैदल ही झूला पुल पार कर बंजर पुरवा पुल के रास्ते संगम पहुंचे जहां से परिक्रमा चौधरी वाड़ा होते हुये ज्वालाजी मंदिर पहुंची ज्वालाजी मंदिर परिसर में कायस्थ समाज के द्वारा परिक्रमावासियों के लिये बाल भोग व्यवस्था की गई थी यहां नर्मदा भक्तों ने थोड़ा विश्राम किया और गरमा गरम पोहा जलेबी एवं चाय का आनंद लिया यहां से परिक्रमावासी मंगलेश्वर मंदिर में भगवान भोलेनाथ के दर्शन करते हुये धनीराम दादाजी के आश्रम पहुंचे और दादा धनीराम के दर्शन पश्चात बहुत से नर्मदा भक्तों ने राधाराज आश्रम में भी बाल भोग आनंद उठाया यहां से कुछ नर्मदा भक्त कारीकोन तिराहा होते हुये आगे मानादेई के लिये रवाना हुये तो कुछ नर्मदा भक्त राधाराज आश्रम से ही पीछे की ओर चलते हुये कच्चे रास्ते माँ नर्मदा के किनारे-किनारे मानादेई पहुंचे इस दौरान लगातार रास्ते में शीतल पेयजल एवं शीतल पेय नर्मदा भक्तों द्वारा परिक्रमावासियों को उपलब्ध कराया जाता रहा मानादेई के बाद घुंघरू वाले आश्रम में शानदार पुदीने का शरबत परिक्रमावासियों को भेंट किया गया जिससे धूप में चलकर आते हुये परिक्रमावासियों को शीतलता प्राप्त हुई यहां वृक्षों के नीचे बड़ी संख्या में नर्मदा भक्तों ने विश्राम किया और फिर इस स्थान से परिक्रमा के आगे के लिये प्रस्थान हुई।

ग्राम सिलपुरा में हुआ दोहपर का भोजन

इस सामूहिक परिक्रमा में शामिल नर्मदा भक्तों के लिये दोहपर के भोजन का आयोजन सिलपुरा में इस बार 02 स्थानों में किया गया था एक आयोजन कोठीघाट आश्रम में भक्तों के लिये भोजन की व्यवस्था थी तो दूसरा हायर सेकेण्डरी परिसर सिलपुरा में भोजन नर्मदा भक्तों लिये आयोजित था दोनों स्थानों में बंटकर परिक्रमावासियों ने भोजन किया और यहां पर थोड़ा विश्राम किया। इसके बाद परिक्रमावासी ग्राम घाघा के लिये रवाना हुये लगभग 8 किलोमीटर की यह यात्रा सभी परिक्रमावासियों के लिये काफी चुनौतिपूर्ण होती है लेकिन उनकी इस चुनौति को माँ नर्मदा की कृपा आसान यूं कर देती है कि नर्मदा भक्त इस दौरान परिक्रमावासियों के लिये विभिन्न तरह की सेवा रास्ते-रास्ते करते रहते हैं जैसे कोई शीतल जल ही पिला रहा होता है तो कोई ठण्डी लस्सी, तो कोई छांछ और कोई फल एवं ककड़ी लेकर खड़ा रहता है उनके सहारे नर्मदा परिक्रमावासी चलते-चलते घाघा पहुंचे जहां पर शाम की नर्मदा की महाआरती का शानदार संगीतमय आयोजन हुआ और रात्रि विश्राम घाघा में हुआ।

माँ शीतला मंदिर से निकले जवारे

मण्डला। नवरात्र के अवसर पर जगह-जगह देवी मंदिरों, मढिया में जवारे, कलश रखे गए थे जिनका विधि-विधान के साथ विसर्जन किया गया है। इसी कड़ी में शहर के प्रसिद्ध देवी मंदिर मां शीतला मंदिर से जवारे, विसर्जन के लिए निकाले गए। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु एक साथ सिर में जवारे रखकर चल रहे थे। जिनके दर्शनों के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु यहां पहुंचे थे। मंदिर समिति अध्यक्ष किशन लाल शर्मा ने बताया कि जिला जेल प्रांगण में स्थित मां शीतला मंदिर में प्रतिवर्षानुसार इस बार भी जवारे, खप्पर रखे गए थे। भक्त इन जवारे, खप्परों को अपने मनोकामनाएं पूर्ण होने या फिर मनोकामनाओं को लेकर यहां जवारे, खप्पर रखवाते हैं। हर साल की तरह इस बार भी नवमी तिथि को मां शीतला मंदिर परिसर में पूजन, हवन का आयोजन किया गया, इसके बाद जवारों को विसर्जन के लिए निकाला गया।

चैत्र नवरात्रि पर मंत्री संपतिया उइके ने माँ खेरमाई मंदिर में की पूजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

बम्हनीबंजर टिकरी में स्थित माँ खेरमाई मंदिर में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित नौ दिवसीय मेले में मध्यप्रदेश की कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके सहित नगर के जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की। इस दौरान मंत्री ने विधिवत खेरमाई माता की पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। साथ ही मंदिर प्रांगण में आयोजित भव्य रामलीला के मनमोहक कार्यक्रम का आनंद भी लिया, जिसे देखने बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मंत्री द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण घोषणा की गई। उन्होंने मंदिर परिसर में बैठने की व्यवस्था सुदृढ़ करने एवं रामलीला मंच के विस्तार के लिए 11 लाख रुपये देने की घोषणा की। मंदिर समिति एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के सहयोग से क्षेत्र में धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और विकास की गति भी तेज होगी।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जागरूकता रैली का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शाश्वत सिंह मीना के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने जल संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के उद्देश्य से भव्य जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में स्थानीय नागरिकों, विद्यार्थियों, प्रमुख सामाजिक संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान "जल है तो कल है", "पानी बचाओ, जीवन बचाओ" जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम के दौरान विकासखंड समन्वयक श्री संतोष झारिया ने कहा कि वर्तमान समय में जल संकट एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है, इसलिए हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह पानी की एक-एक बूंद का संरक्षण करें। उन्होंने वर्षा जल संचयन, नदियों की स्वच्छता और जल स्त्रोतों के संरक्षण पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर परामर्शदाता श्री संतोष कुमार रजक ने जल संरक्षण की शपथ दिलाई।

अनदेखी

नगर परिषद की अनदेखी ने लोगों को किया आक्रोशित, खुद ही करने लगे सुधार कार्य।

टूटी पाईप लाईन को जोड़ने मैदान पर उतरी पार्षद

*** पिछले तीन माह से बनी हुई थी समस्या।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/बम्हनीबंजर

नगर परिषद के वार्ड नंबर 6 में खंबे की लड़ाई में पानी की सप्लाई में दिक्कतें आ रही हैं। यहां खंबा लगाते समय पाईप लाईन टूट गई थी जिसके कारण वार्ड की जनता तीन महीने से पानी के लिए परेशान हो रही है। जबकि पार्षद और स्थानीय लोगों ने कई बार जिम्मेदार लोगों को अवगत कराया लेकिन नगर परिषद द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया गया। जिसके बाद वार्ड पार्षद और स्थानीय लोगों ने खुद कुदाली उठाकर पाईप लाइन जोड़ने के लिए मैदान पर उतर आए।

जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 6 में खंबे का विवाद बीते तीन महीने से चल रहा था,खंबे की लड़ाई में वार्ड पार्षद को पीआईसी से पद भी खोना पड़ा था। जैसे तैसे कर खंबा नगर परिषद अधिकारी के आदेश पर हटा तो दिया गया लेकिन नल की पाईप लाईन नहीं जोड़ा गया जो खंबा लगाते समय टूट गया था। जिसके कारण पानी व्यर्थ बह रहा था और वार्डों में पानी की सप्लाई प्रभावित हो रही थी। वार्ड पार्षद और स्थानीय लोगों के बार–बार शिकायतों के बाद भी नगर परिषद के जिम्मेदार कर्मचारी और अधिकारी ने ध्यान नहीं दिया, तो मजबूर होकर वार्ड पार्षद और स्थानीय लोगों ने कुदाली उठाकर पाईप लाईन दुरस्त करने में जुट गए। अब सवाल यह है कि जब नगर परिषद में जनप्रतिनिधि की ही समस्या नहीं सुन रहे और समस्या का हल नहीं हो पा रहा,तो आम जनता की समस्या का समाधान कैसे होता होगा? यह नगर के लिए चिंतन का विषय है।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने नुक्कड़ नाटक से दी नशा मुक्ति और साइबर सुरक्षा की सीख

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

शासकीय जगन्नाथ उत्कृष्ट विद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गोद ग्राम बिनैका में आयोजित 7 दिवसीय विशेष शिविर के पांचवे दिन चौपाल पर जन-जागरूकता का संचार किया गया। शिविर के दौरान छात्रों ने चौपाल पर एकत्र ग्रामीणों के समक्ष प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक का मंचन किया। अभिनय के माध्यम से छात्रों ने यह संदेश दिया कि नशा न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को हानि पहुँचाता है, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति और मानसिक शांति को भी पूरी तरह नष्ट कर देता है। तकनीक के दौर में बढ़ते 'डिजिटल फ्रॉड', फर्जी कॉल और ऑनलाइन ठगी से बचने के व्यावहारिक तरीके ग्रामीणों को समझाए गए।

यह आयोजन विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती कल्पना नामदेव के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एनएस प्रभारी श्री प्रवीण अग्रवाल ने मार्मिक बात कही। "नशा वह दीमक है जो हँसते-खेलते परिवारों को अंदर से खोखला कर उनके विघटन का कारण बनता है। युवाओं की ऊर्जा समाज निर्माण में लगनी चाहिए, न कि व्यसनों में।" ग्राम सरपंच अनुसुईया बाई का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। बिनैका के निवासियों ने छात्रों के इस जज्बे की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। ऐसे शिविर न केवल ग्रामीणों को जागरूक करते हैं, बल्कि स्वयंसेवकों में 'स्वयं से पहले सेवा' के भाव और सामाजिक उत्तरदायित्व को भी सुदृढ़ करते हैं।

खबर संक्षेप

नगर के पुराना बस स्टेन्ड क्षेत्र में अतिक्रमण के चलते बन जाती है जाम की स्थिति

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। यह बात अलग है कि प्रशासन द्वारा नगर में हर वर्ष अतिक्रमण हटाने की मुहिम चलाई जाती है। मगर इस मुहिम का परिणाम इस प्रकार से देखने मिला है कि प्रशासन द्वारा सिर्फ छोटे मोटे लोगों को हटाते हुए बड़े प्रभावशाली लोगों को जिस प्रकार से अभय दान दिया जाता है कि उसके चलते न तो नगर को अतिक्रमण से मुक्ति मिल पा रही है और नही नगर की यातायात व्यवस्था में सुधार देखने मिल रहा है? क्योंकि अतिक्रमण के चलते खाली होने वाली भूमि को भी प्रशासन द्वारा सुरक्षित करने में बरती जाने वाली कोताही का परिणाम है कि अतिक्रमणकारी चंद दिनों बात उस स्थल पर पुनः अपना कब्जा जमाने से नही चूकते है, कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर के पुराना बस स्टेन्ड के पास देखने मिल रही है। जहां पर मुख्य मार्ग सहित सड़क के आसपास हुये अतिक्रमण का परिणाम है कि इस क्षेत्र में आये दिन जाम की स्थिति निर्मित होने से आम लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होते हुए देखा जा रहा है? इतना ही नही इस क्षेत्र में यदि अतिक्रमण की सच्चाई पर गौर किया जावे तो कुछ लोगों द्वारा नाली पर तक पक्का निर्माण करते हुए अपना कब्जा जमा लिया गया है, जिसके चलते बताया जाता है कि उनके पास पट्टा है? मगर अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि क्या नाली के ऊपर निर्माण करने के लिए पट्टा प्रदान किया जा सकता है जो जांच का विषय बना हुआ है?

ग्रामीण क्षेत्रों में समय पर बिजली बिल नही मिलने से परेशान हो रहे उपभोक्ता

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जहां एक ओर बिजली विभाग द्वारा बिजली उपभोक्ताओं से बिजली बिलों की बसूली को लेकर सख्ती बरती जा रही है। मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि बिजली विभाग की लापरवाही के चलते बिजली उपभोक्तओं को समय पर बिजली बिल नही मिलने की स्थिति में वह अपने बिलों का समय पर भुगतान नही कर पाने के कारण जबरन उनसे लेट बिल जमा करने का दंड बसूलना कहा तक उचित है? इस संबंध में ग्रामीणों का कहना है कि बिजली बिलों का वितरण होना अब बंद हो चुका है और बिजली विभाग द्वारा मोबाईल के माध्यम से बिल भेजे रहे है। इस स्थिति में अनेकों पर ग्रामीण उपभोक्ताओं के मोबाईलों पर बिजली संबंधी सूचना नही आती है और ग्रामीण जन इतने पढे लिखे भी नही होते है जो अंग्रेजी में आने वाले बिल को पढ सके इस हालत में ग्रामीणजन अपना बिल जमा करना भूल जाते है। इस संबंध में ग्रामीण क्षेत्रों में लाईन मेन द्वारा किये जाने की जगह आम नागरिकों को थोंक के पाव में बिलो की सूचना थमा दी जाती है और कह दिया जाता है कि वह सभी को बिलों की सूचना वितरण कर दे। मगर इस स्थिति कि चलते स्थिति यह बनती है कि यह बिल समय पर उपभोक्ताओं के पास नही पहुंचने के कारण जहां व समय पर बिलों का भुगतान नही कर पा रहे है, जिसके चलते या तो उनके बिजली कनेक्शन कट जाते है या फिर उनसे बिजली विभाग द्वारा समय पर बिल जमा नही किये जाने की बात को लेकर अंतिरिक्त दंड स्वरूप बिलों की अदायगी कराये जाती है? यही हाल दूर संचार विभाग का भी देखा जा रहा है जो आम लोगों से अपने बिलों का वितरण कराये जाने के कारण समय पर उपभोक्ताओं को देयक बिल नही मिलने के कारण वह परेशान होते हुए देखे जाते है? अब सबाल यह उठता है कि जब विभाग की लापरवाही के चलते जब समय में उपभोक्ताओं को बिल नही मिल रहे है तो वह बिलों को समय पर जमा नही कर पाने में दोषी कैसे हो गया जिसके चलते उसे अतिरिक्त राशि दंड स्वरूप जमा करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

पीएम जनमन योजनांतर्गत वनांचल क्षेत्र के लोगों को शहर से जोड़ने वाली सड़क निर्माण का शिक्षा मंत्री सिंह ने किया शुभारंभ,

सरकार गांव गांव सड़क, बिजली पानी और शिक्षा जैसी अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करा रही है- मंत्री

हरिभूमि न्यूज/बारहाबड़ा। जहां लोग पैदल पहुंचने की हिम्मत नही जुटा सकते थें। मगर सरकार के प्रयासों का परिणाम है कि वहां पर वाहन दौड़ते हुये नजर आने से नही चूक पायेगे। क्योंकि केन्द्र से लेकर प्रदेश में बैठी हुई भाजपा की सरकार द्वारा विकास का भरोसा करती है। इसी के चलते गांव गांव सड़को का जाल बिछाने के बाद अब जंगल क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिये भी पक्की सड़को की सौगात प्रदान करने में पीछे नही रहे रही है। इस बात की सच्चाई गाडरवारा तहसील क्षेत्र के मुहपानी से बड़गांव के रूप में हमारे सामने है। इस सड़क निर्माण की शुरूआत करते हुये क्षेत्र के विधायक व प्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि हम ग्राम मोहपानी से वनांचल ग्राम बड़ागांव तक करीब 29.10 किमी लंबी सड़क निर्माण कार्य के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए है।

केन्द्र व प्रदेश में बैठी हुई सरकार जिस तरह अंतिम छोर पर बैठे हुये लोगों को लाभ पहुंचाने की बात कहती है यह उसका उदाहरण सामने है। जहां पर लोग पैदल जाने में दहशत खाते थें मगर अब उन जगहों पर अतिशीघ्र वाहन दौड़ते हुये नजर आने से नही चूकेगे। इसके लिए सभी को शुभकामनाएं और धन्यवाद दिया। इस दौरान शिक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने गांव- गांव को पक्की सड़कों से जोड़ने का काम किया है उसका परिणाम है कि हर गांव जहां पक्की सड़को के माध्यम से शहरों से जुड रहे है। इस योजना के माध्यम से हमारे क्षेत्र के कई ग्रामों को पक्की सड़को से जोड़ने का कार्य हुआ है। पीएम जनमन योजनांतर्गत हमारे क्षेत्र के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र बड़ागांव को पक्की सड़क से जोड़ने का काम किया जा रहा है। मंत्री सिंह ने धन्यवाद देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वनांचल ग्राम बड़ागांव में सड़क निर्माण कार्य के लिए लगभग 40 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है, जिस राशि से इस सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ होगा। सरकार दूरस्थ वनांचल क्षेत्र में निवासरत आदिवासी भाईयों और बहनों की चिंता कर रही है। मंत्री सिंह ने कहा कि सरकार पीएम जनमन योजनांतर्गत सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा जैसी अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। ग्राम मोहपानी से वनांचल ग्राम बड़ागांव तक पक्की सड़क का निर्माण होने से यह क्षेत्र शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और रोजगार से जुड़ने का काम करेगी। उन्होंने सड़क निर्माण कार्य में लगे ठेकेदार से कहा कि वे गुणवत्ता और मानक स्तर की सड़क का निर्माण कार्य करें, जिससे आने-जाने में किसी भी तरह की परेशानी न हो। क्षेत्र के विधायक व प्रदेश के शिक्षा व परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने रविवार को गाडरवारा विधानसभा क्षेत्र के जनपद पंचायत बाबई-चीचली के ग्राम मोहपानी में सड़क निर्माण कार्य के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित विशाल आदिवासी सम्मेलन को संबोधित करते हुये मंत्री सिंह ने आदिवासी बहनों के हाथों से फीता काटकर सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मंत्री राव उदय प्रताप सिंह आदिवासी भाईयों और बहनों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। इस मौके पर पूर्व विधायक नरेश पाठक, नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा, अभिलाष मिश्रा, पूर्व जनपद अध्यक्ष मुकेश मरैया, जिला पंचायत सदस्य डा. योगेश कौरव, भूपेन्द्र ठाकुर, मिनेन्द्र डागा, भाजपा अनुसूचित मोर्चा जिला अध्यक्ष कमल खटीक, भाजपा मंडल अध्यक्ष नरेश कौरव, सुश्री नंदनी मरावी, ठाकुर राजीव सिंह, राजाराम ठाकुर, राव संदीप सिंह, अशोक भार्गव, रामकुमार ठाकुर, नवनीत चाचा, नरेन्द्र कौरव, अन्य जनप्रतिनिधि, पीआईयू के श्री संजीव सनौड़िया सहित अन्य अधिकारियों सहित क्षेत्र के आदिवासी और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि ग्राम मोहपानी से वनांचल ग्राम बड़ागांव तक लगभग 40 करोड़ रुपये की लागत से करीब 29.10 किमी लंबी की सड़क का निर्माण कार्य किया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कहा कि ग्राम बड़ागांव में स्कूल का भवन बनाया जाएगा। क्योंकि भाजपा सरकार की प्राथमिकता है कि हर क्षेत्र में विकास हो। शिक्षा के क्षेत्र में सांदीपनी स्कूल भवन के निर्माण किए जा रहे हैं। अब जनपद पंचायत चीचली के सांदीपनी स्कूल भवन में आदिवासी क्षेत्र के बच्चे पढ़ाई के लिए जाएंगे। सरकार नल-जल योजना के माध्यम से लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का काम कर रही है। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि सालीचौका में वृहद स्तर का अस्पताल का निर्माण किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आयुष्मान योजना लागू कर पात्र व्यक्तियों का 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज करा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश में एयर एम्बुलेंस सेवा प्रारंभ की है, जिससे मरीजों को त्वरित चिकित्सा सहायता प्रदान की जा रही है। इस दिशा में सरकार ने कई मरीजों को एयर एम्बुलेंस की सेवा प्रदान की है। इस मौके पर क्षेत्र के विकास के लिये मंत्री सिंह द्वारा अनेक कार्यो के लिये राशि प्रदान करने की घोषणाये की गई जिसमें मुख्य रूप से ग्राम मोहपानी में बड़ादेव मंदिर मय टीन शेड व चबूतरा निर्माण के लिए दो लाख रुपये की राशि व छोटा जबलपुर में नागरिकों की सुविधा के लिए सर्व सुविधायुक्त प्रसाधन गृह के लिए 5 लाख रुपये की राशि इसके अलावा मंत्री सिंह ने बताया कि ग्राम टुईयापानी से ग्राम भिलमाढाना रोड का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

अन्य बिन्दुओं को लेकर नगर के शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक में महत्वपूर्ण बैठक

शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को लेकर राज्य शिक्षक संघ की बैठक

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। राज्य शिक्षक संघ द्वारा टीईटी परीक्षा एवं अन्य विन्दुओं को लेकर नगर के शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक I में महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन वरिष्ठ साथी प्राचार्य शासकीय उ मा विद्यालय सुशील शर्मा की अध्यक्षता एवं आर पी महिलांग सहित नगेन्द्र त्रिपाठी, संजय सोनी, राजेश दुबे, संजीव श्रीवास्तव, अजय शर्मा, महेश बैष्णव, लक्ष्मीकांत कौरव, दौलत पटैल विश्वनाथ शर्मा की उपस्थिति में आयोजित की गयी। बैठक का वीणापाणी के पूजनोपरांत राज्य शिक्षक संघ के प्रदेश कोषाध्यक्ष नगेन्द्र त्रिपाठी जो हाल ही में टीईटी परीक्षा के विरोध में माननीय सर्वोच्च न्यायालय दिल्ली गये थे ने विस्तार से न्यायालय की प्रक्रिया, अधिवक्ता एवं संघ द्वारा न्यायालय के साथ शासन, प्रशासन के माध्यम से चल रहे प्रयासों की सम्पूर्ण जानकारी अवगत कराते हुये बताया कि यह केस केवल मध्यप्रदेश के शिक्षकों का नहीं है। वरन सम्पूर्ण भारतवर्ष के शिक्षक के लिए प्रतिष्ठा का विंदु बना हुआ है। सभी राज्य अपने अपने स्तर से लगे हुए हैं। त्रिपाठी ने आगे बताया कि शिक्षकों को व्यक्तिगत केस लगाने की आवश्यकता नहीं संगठन केस लडेगें और हम सब जीतेंगे। अधिवक्ता जो संघ का केस लड रहे हैं उनके बारे शिक्षक योगेन्द्र झारिया ने विस्तार से बतलाया। वही बैठक को सभी मंचासीन सदस्यों ने संबोधित करते हुए शिक्षक साथियों से धैर्य के साथ संगठन के सहयोग की बात कही तथा जीतने का विश्वास दिलाया। आयोजित बैठक में पुरानी पेंशन एवं अन्य विंदुओं पर भी चर्चा की गयी। बैठक का संचालन संजय अवस्थी तथा आभार देवेन्द्र बसेडिया द्वारा व्यक्त किया गया। इस अवसर पर दीपक दुबे, कमल बचकैंया, प्रदीप मालवीय, संतोष शर्मा, अमित जैन, पंकज स्थापक, राम मनोहर चडार, राजू ठाकुर, प्रहलाद ठाकुर, अरविंद कुमार शर्मा, जयनाथ मेहरा, कमलेश कौरव,सुमित यादव, श्रीमती मंजूलता मेहरा, बबीता ठाकुर, विद्या शर्मा, कल्पना पिपरोनिया, भावना भारके, मालती शर्मा, रीता राज, शैलेंद्र यादव, राघवेंद्र चौधरी, महेंद्र कौरव, रामेश्वर कहार, अनिल मेहरा, अतुल शर्मा,राकेश सोनी सहित अन्य शिक्षक गण मौजूद रहे।

हम तो मरेंगे ही सनम मगर तुम को भी ले डूबेंगे....?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर इस समय सड़कों पर दौड़ रहे वाहनों की गति पर अंकुश न लगने के कारण आये दिन सड़क दुर्घटनाएं होना आम बात होती चली जा रही है। मगर वही कुछ वाहन चालकों द्वारा देखा जाता है कि वह इस प्रकार की लापरवाही का परिचय देते है जिसके चलते वह खुद की जिन्दगी को तो खतरे में डालते ही है साथ ही साथ दूसरों की जिन्दगी को भी खतरे से डालने से नही चूकते है। इस सच्चाई को देखते हुये लोग यह बात कहने से नही चूक रहे है कि भैया हम तो मरेगे ही सनम मगर तुम को भी ले डूबेगे....? मगर इस प्रकार से मनमानी करने वालों के खिलाफ पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नही किये जाने का परिणाम है कि उनके हौसले इतने बुलंद रहते है कि वह आये दिन मुख्य मार्गो से जिस प्रकार से वाहन चलाते समय लापरवाही का परिचय देते हुए देखे जाते है उससे पुलिस की उदासीनता को खुला प्रमाण दिखाई देते हुए जान पड़ता है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई गाडरवारा सांईखेड़ा मार्ग पर उस समय देखने मिली जब एक युवक अपने स्वयं के स्वार्थो को ध्यान में रखते हुए खुलेआम अपनी जिन्दगी को तो खतरे में डाल ही रहा था वही दूसरी ओर दूसरों की जिन्दगी को भी खतरे में डालते हुए यातायात नियमों की धडल्ले से धज्जियाँ उड़ाई जा रही थी? बताया जाता है कि स्टैट स्तर के हाईवे माने जाने वाले मार्ग गाडरवारा सांईखेड़ा के बीच एक स्कूटी पर सवार युवक अपने साथ रखे हुए कुर्सियों पर इस प्रकार से बैठा हुआ था कि उसके बैठने के कारण यदि उसका वाहन अनियंत्रित हो जाता था तो इस हरकत के चलते खुद की जिन्दगी को तो खतरा पैदा होता ही साथ ही साथ दूसरों की जिन्दगी भी खतरे में पड़ने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता था? इस प्रकार के दृश्य को देखते हुए लोग यह बात कहने से नही चूके कि यह सब पुलिस प्रशासन की उदासीनता का परिणाम है जिसके चलते लोग इस प्रकार से आये दिन मुख्य मार्गो पर यातायात नियमों की धज्जियाँ उड़ाते हुए दिखाई देते रहते है और पुलिस द्वारा इनके खिलाफ कोई कार्यवाही नही क रता है?

आखिरकार पंचायतों में जनप्रतिनिधि बनते ही क्यों बदल जाते हैं उनके तेवर?

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका।

वर्तमान परिवेश यदि ग्रामीण अंचल के जनप्रतिनिधियों में पंचायत स्तर के प्रमुख माने जाने वाले जनप्रतिनिधियों की बात करे तो निश्चित ही जनप्रतिनिधि बनने के बाद जिस प्रकार से चंद वर्षो के बाद उनके परिवेश में बेतहाशा बदलाब देखने को मिल रहा है उससे पंचायतों में आम जनता का विकास होने की जगह उनके विकास की सच्चाई उजागर होने से नही बच पा रही है? यदि इनकी सच्चाई पर गौर किया जावे तो क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायतों के पंचायत जनप्रतिनिधि जो खेतों में हल जोतने के आलवा दिन भर मेहनत मजदूरी करके अपना भरण पोषण करते हुए देखे जाते थें जिन्हें बीते हुये कुछ वर्ष पहले जिस तरह से पंचायत स्तर पर जब प्रतिनिधि की कुर्सी मिलने के बाद उन ग्रामों के पंचयात स्तर या फिर अन्य प्रमुख पदो पर पहुंचतें ही कायाकल्प हो जाती है? क्योंकि वह पहले जहां कच्चे खपरैल वाले मकानों में रहने से लेकर दूर दराज के गांवों तक जाने के लिए वाहन के नाम पर मात्र एक मामूली से साईकिल पर ही आश्रित रहतें थें। मगर वह आज चंद वर्षो में ही अपनी खेती बाड़ी में प्रकृति की मार झेलते हुए उनके दिन जिस प्रकार से बदले हुए दिखाई दे रहे है जो सिर्फ चर्चा का विषय ही नही बल्कि उनकी आये की सच्चाई को जांच करने की ओर संकेत देने से नही चूक पा रही है? क्योंकि अनेक पंचायतों में देखा गया था कि जहां वह शुरूआती तौर में साईकिलों के माध्यम से अपनी जीविका चला रहे थें । मगर वह दो पाहिया गाड़ी तो छोटी बात है चार पहिया चमचमाती गाडी घर के सामने खड़ी हुई दिखाई देने से नही चूक पा रही है..? यदि इस सच्चाई पर गौर किया जावे तो शासन प्रशासन द्वारा ग्रामीणो के हित के लिए कई योजनाएं व सुविधा मुहैया कराई जाती है जिसका लाभ शायद उन पात्र हितग्राहियों की जगह कही और जाते हुए दिखाई दे रहा है और शायद इसी का परिणाम है कि इन पंचायत स्तरीय जनप्रतिनिधियों के आये दिन सुख सुविधा के साधन बदल रहे है? इस संबंध में जब ग्रामीण क्षेत्रो का रूख करते है तो खुलेआम ग्रामीणों द्वारा कहा जाता है कि सरपंच जी से हमारे प्रारम्भ से ही घरेलू संबंध थें..। किन्तु उनके पंचायत के जनप्रतिनिधि बनतें ही श्रीमान जी के तेवर कुछ बदल से गए और अब मिलने के लिये घर के कई चक्कर काटने के बाद ही दर्शन हो पाते है..? वही जिन पंचयतों में महिला जनप्रतिनिधि है वहां के लोगों के मुंह से तो यह तक सुना जाता है कि बा भौजी तो पहले सी ऐसई थी और अब भी एसई है, मनों जब से भौजी जनप्रतिनिधि बनी है तब से भैया के मन जलबे है..और अब बे तो भौजी के पद पर खुदई भैया मजा कर रहे है? कोई समस्या पूछनें या बताने पर सीधें मुह बात नही करतें और न ही किसी योजना की जानकारी देते? इतना ही नही उनके रहन सहन, घर- द्वार, ठाट- बाट, आवागमन की पर्याप्त सुविधा, पूरे खेत खलिहानो में अपने जनप्रतिनिधि बनने के चंद वर्ष के बाद ही परिवर्तन नजर आने लगता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये पांच वर्षो में देखने मिल चुकी है और शायद वह अपनी कुर्सी के मोह में फंस जाने के कारण उसे छोड़ना नही चाह रहे है जिसके चलते पुराने आरक्षण में चुनाव होने की घोषणा ने निश्चित ही इन सरपंचो की पोह बारह करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है।

वद्धावस्था पेंशन योजना के हितग्राहियों के मशीन में फिंगर नहीं आने से हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। शासन द्वारा अनेक योजनायें चलाकर वृद्धों एवं गरीबों का भला करने की बात कही जा रही है वहीं दूसरी ओर देखा जाता है कि शहरी से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में वृद्ध महिलाओं व पुरूषों की हालत दिन पर दिन दयनीय व पीड़ा दायक होती जा रही है। यह बात अलग है कि इस हेतु शासन ने वृद्धावस्था पेंशन योजना शुरू की थी मगर शासन की इस योजना को पंचायत में बैठे कर्णधारों द्वारा शासन के नियमों को अनदेखा कर पात्रजनों को इसका लाभ ना देकर अपात्रों को दिया जा रहा है और इसी प्रकार शासन की कई अन्य योजनायें क्षेत्र के गांवों में भाई-भतीजावाद की शिकार हो रही हैं जिसके कारण आज इन वृद्धों को शासन की अनेक योजनायें चलने के बाद भी भूखों रहने की नौबत आ रही है। शासन द्वारा वृद्धों के लिये वृद्धावस्था सुरक्षा पेंशन का फार्म निकालकर यह नियम लागू किया गया था। मगर इस योजना का लाभ अनेक निःसहाय वृद्धों को नहीं मिल पा रहा है? आम जन का आरोप है कि अधिकारियों द्वारा इन वृद्धों के आवेदनों को बिना देखे ही निरस्त कर दिया जाता हैं, विधवा महिलाओं की भी स्थिति अत्यंत दयनीय रहती है। देखने में आता है कि उन्हें भी शासन की योजनाओं से कोई फायदा नहीं मिल पाता है। क्षेत्र में अनेक विधवा महिलायें हैं जो परेशानियों के साथ अपना जीवन व्यतीत कर रही हैं जिनका भला करने के उद्देश्य से शासन ने इस प्रकार की योजनायें शुरू की थी मगर देखा जा रहा है कि शासन द्वारा चलाई जा रही इस प्रकार की अनेक योजनाओं के बारे में पंचायत स्तर पर बैठे कुछ अधिकारी भाई-भतीजावाद की भेंट चढ़ाकर उन्हें पूरा कर देते हैं और पात्र हितग्रहियों को उनसे वंचित कर दिया जाता है। वहीं दूसरी ओर देखा जाता है कि शहरों से लेकर ग्राम पंचायतों द्वारा इन योजनाओं की राशि अनेकों माह तक बैंकों में ही पड़ी रहती है और हितग्राही इस राशि को पाने के लिये भटकते रहते हैं। क्योंकि शासन की योजना के तहत इन वृद्रों की पेंशन राशि का भुगतान के लिये उनके खाते आधार से लिंग किये गये है। मगर अनेक वृद्रजनों के अब भुगतान मशीन में फिंगर सही रूप से नही आने के कारण पेंशन राशि के भुगतान से बंचित हो रहे है। इस प्रकार से वृद्रजनों की बीते हुये कई महिनों से पेंशन राशि बैक खातों में ही पड़ी है और उसका हितग्राही कोई लाभ नही ले पा रहे है।

शासकीय तालाब की भूमि पर लगातार हो रहे अतिक्रमण को नजर अंदाज करना खड़े कर रहा सवाल..?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जहां एक ओर प्रशासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पड़ी हुई शासकीय भूमि का अतिक्रमण से मुक्त कराते हुए लोगों को सार्वजनिक उपयोग के लिए उपलब्ध कराई जा रही है। वही दूसरी ओर जिस जगह खुलेआम शासकीय भूमियों के साथ साथ तालाबों पर हो रहे अतिक्रमण को राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा नजर अदांज करते हुए अतिक्रमण कारियों को सह प्रदान की जा रही है? इस बत की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत सांईखोड़ा के अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरी मिढ़वानी के ग्राम देवरी में देखने मिल रही है जहां पर लोगों द्वारा अपने निजी स्वार्थ के चलते यहां पर बने हुए तालाब पर अपना कब्जा जमाते हुए उस पर धडल्ले से भवनों का निर्माण किया जा रहा है। इस संबंध में बताया जाता है कि ग्राम देवरी के तालाब पर दिनों दिन हो रहे अतिक्रमण को लेकर जहां प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मौन साधा गया है, वही दूसरी ओर पंचायत भी नजर अदांज करते हुए यहां पर निवास करने वाले लोगों को इस प्रकार की सह प्रदान की जा रही है कि उनके घरों में उसी शासकीय पर अतिक्रमणकारियों के पक्के शौचालयों का निर्माण तक कराया जा रहा है जिसके चलते इस तालाब का स्वरूप छोटा होता जा रहा है। वही दूसरी ओर तालाब में प्रदूषण भी लगातार बढने के कारण गंदगी फैल रही है। इस प्रकार से तालाब में लगातार हो रहे अतिक्रमण को लेकर अधिकारियों को पता न हो ऐसा तो हो ही नही सकता है? क्योंकि यहां पर जहां आये दिन राजस्व विभाग के अधिकारियों का आना जाना लगा रहता है। वही ग्राम हल्का पटवारी आये दिन भ्रमण करते हुए संपूर्ण सच्चाई से अवगत होने के बाद भी तालाब पर हो रहे अतिक्रमण को लेकर जिस प्रकार से चुप्प बैठे हुए है उसे लेकर लग रहा है कि शायद अतिक्रमण कारियों को राजस्व विभाग के अधिकारियों की ही सह प्रदान हो रही है? और इसी के चलते वह शासकीय तालाब को अपने कब्जे में करने के लिए कोई कसर नही छोड़ रही है? वही दूसरी ओर यदि ग्राम पंचायत की सच्चाई पर गौर किया जावे तो पंचायत द्वारा इस शासकीय तालाब को अतिक्रमण से मुक्त कराने की पहल तो दूर वहां पर निवास करने वाले लोगों को सुविधाएं भी प्रदान की कराई जा रही है जिसके चलते तालाब पूर्णरूप से नर्क का स्वरूप लेता जा रहा है?

झाड़ू न लगाने की बात पर महिला को दी जान से मारने की धमकी

चीचली। समीपस्थ डोगरगांव पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम कल्याणपुर निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि में अपने परिवार के साथ रहती हूं। बीते हुये दिवस की बात है जब में अपने घर पर थी तभी मैनें अपनी भाभी से बोला कि तुमने झाड़ू क्यों नही लगाई इतने जल्दी सो गई क्या हो गया। इसी बात को लेकर हल्के कुशवाहा चिल्लाकर बोला कि तू मुझे झाड़ू मारने का बोल रही हैं। मगर प्रार्थिया द्वारा उसकी बातों को नजर अंदाज करते हुये अपने कमरे में सो गई।

दिल्ली पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल गाडरवारा
CBSE बोर्ड आधारित, DPIS Org. नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त
कक्षा नर्सरी से कक्षा आठवीं तक
DPIS
प्रवेश प्रारंभ
विवेकानंद वार्ड, शनि मंदिर के पास, सांईधाम कॉलोनी, गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर
Mob. : 903 9230 199, 722 4021 199 Email- dpsgadarwara@gmail.com

खबर संक्षेप

नपा अनूपपुर के कर्मचारी आज से कलम बंद हड़ताल पर

अनूपपुर। नगर पालिका कर्मचारी संघ इकाई अनूपपुर की अध्यक्ष गजाला परवीन के नेतृत्व में निकाय के कर्मचारियों द्वारा आज से नगर पालिका परिषद प्रांगण के पास कलम बंद हड़ताल प्रारंभ की जा रही है। बताया गया कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी अनूपपुर को 26 मार्च को ज्ञापन दिया गया एवं उसकी प्रतिलिपि कलेक्टर अनूपपुर, पुलिस अधीक्षक अनूपपुर, संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास शहडोल एवं सुरेन्द्र सिंह सोलंकी प्रदेश अध्यक्ष मध्यप्रदेश नगर निगम, नगर पालिका कर्मचारी संघ भोपाल को भी दिया गया। ज्ञापन में लेख किया गया है कि नगर पालिका परिषद अनूपपुर में कार्यरत कर्मचारियो के साथ 24 मार्च को बैठक में समस्त कर्मचारियो ने इस बात को बताया की कार्यालय मे वह निरंतर कार्य करते चले आ रहे है एवं सेवा देते आ रहे है, किन्तु इन्हे समय पर न तो वेतन भुगतान किया जाता है ना ही सांतवे वेतनमान का एरियस का भुगतान व एनपीएस राशि जमा करवाया जा रहा है। लगातार निकाय में कर्मचारियो द्वारा अपने लंबित वेतन भुगतान की मॉग किये जाने के बावजूद वेतन का भुगतान नही किया गया। जिससे कर्मचारियो के परिवारजनो के जीवन यापन करने में कई तरह की परेशानी हो रही है। आरोप लगाया गया है कि जिम्मेदार मुख्य नगर पालिका अधिकारी कर्मचारियों के मामले में कतई सवेदनशील नही है। कर्मचारियों ने ज्ञापन में लेख किया था कि निकाय अर्न्तगत कार्यरत कर्मचारियो का लंबित वेतन का भुगतान एवं वर्तमान वेतन का भुगतान 29 मार्च से पहले नही किया जाता है, तो कर्मचारियों द्वारा कार्यालय के समीप टेन्ट लगाकर आज से समस्त कर्मचारी कलमबंद हड़ताल पर चले जाएंगे जिसकी जिम्मेदारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी अनूपपुर की होगी।

भूकंप आपदा जोखिम न्यूनीकरण के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

अनूपपुर। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भोपाल से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुपालन में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के नेतृत्व में भूकंप पूर्व तैयारी एवं क्षमता वर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन शनिवार को शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर में किया गया। यह कार्यक्रम कलेक्टर हर्षल पंचोली के आदेशानुसार एवं अपर कलेक्टर दिलीप पांडे के मार्गदर्शन में जिला सेनानी होमगार्ड, अनूपपुर के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ डिप्टी कलेक्टर सुश्री प्राशी अग्रवाल द्वारा प्राचार्य अनिल कुमार सक्सेना की उपस्थिति में किया गया। कार्यशाला के दौरान प्लाटून कमांडर रामनरेश भवेदी (होमगार्ड) द्वारा भूकंप के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसमें भूकंप पूर्व तैयारी, अनूपपुर जिले के भूकंप जोन के आधार पर भूकंपरोधी भवन निर्माण, भूकंप के दौरान बचाव के उपाय तथा भूकंप के बाद खोज एवं बचाव कार्य की तकनीकों पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही टीम द्वारा मॉक ड्रिल के माध्यम से आपदा प्रबंधन के व्यावहारिक पहलुओं का प्रदर्शन किया गया। जिला चिकित्सालय अनूपपुर के डॉ. राजकुमार द्वारा सीपीआर की विस्तृत जानकारी एवं मॉक ड्रिल प्रस्तुत की गई। इसके अतिरिक्त आपदा उपकरणों के उपयोग एवं सर्पदंश (स्नेक बाइट) से संबंधित आवश्यक जानकारी भी प्रतिभागियों को दी गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में शासकीय तुलसी महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, पीआरटी नर्सिंग महाविद्यालय, शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, रीवा पैरामेडिकल महाविद्यालय तथा आईटीआई के छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता की।

कोरोना काल से बंद स्टेशन बस सुविधा फिर से प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज चचाई। अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई में मंडल कर्मचारी अधिकारियों एवं ठेका श्रमिकों आम निवासियों हेतु ताप विद्युत गृह द्वारा एक दशक पूर्व से चली आ रही स्टेशन व सुविधा कोरोना कल में बंद कर दी गई तब से यह सेवा बंद ही चली आ रही थी। प्रबंधन द्वारा वर्षों से लोगों द्वारा की जा रही मांग को देखते हुए स्टेशन बस सुविधा 25 मार्च को मुख्य अभियंता तनवीर अहमद अधीक्षण अभियंता सेवाय की मौजूदगी में विधिवत उद्घाटन कर बस प्रारंभ की गई।

डिंडोरी में अंडा फेंकने की अफवाह से तनाव पुलिस ने भीड़ को खदेड़ा

डिंडोरी।

शनिवार की देर रात नगर में मां काली की प्रतिमा के विसर्जन के दौरान अंडा फेंके जाने की अफवाह फैलने से माहौल तनावपूर्ण हो गया। देखते ही देखते सैकड़ों लोग मौके पर जमा हो गए और उग्र प्रदर्शन शुरू कर दिया।जानकारी के अनुसार बस स्टैंड में स्थापित महाकाली की प्रतिमा का विसर्जन जुलूस निकाला गया। जब जुलूस अवंति बाई चौक पहुंचा तो मार्ग पर अंडे के टुकड़े देखे गए। जुलूस में शामिल श्रद्धालु नाराज हो गए और इसे साजिश करार देते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम राम बाबू देवांगन, एसडीओपी सतीश द्विवेदी और कोतवाली प्रभारी दुर्गा प्रसाद नगपुरे सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को आगे बढ़ने से रोक दिया और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की।सिटी कोतवाली निरीक्षक दुर्गा प्रसाद नगपुरे ने बताया कि फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और कोई बड़ी घटना नहीं हुई। मामले की जांच जारी है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि अंडे सड़क पर कैसे पहुंचे और इसके पीछे कौन जिम्मेदार है।पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और शहर में शांति और सौहार्द बनाए रखें।

डॉक्टर नदारद घायल युवक तीन घंटे तड़पता रहा स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल

डिंडोरी।

जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था एक बार फिर कठघरे में है। प्रशासनिक सख्ती और लगातार निरीक्षण के दावों के बीच जमीनी हकीकत कुछ और ही तस्वीर पेश कर रही है। समनापुर विकासखंड से सामने आई घटना ने सिस्टम की कमजोरियों को उजागर कर दिया है जहां सड़क हादसे में घायल युवक को अस्पताल में

घंटों इलाज के लिए तड़पना पड़ा क्योंकि वहां डॉक्टर मौजूद नहीं थे।

जानकारी के अनुसार समनापुर क्षेत्र के अतरिया गांव निवासी 25 वर्षीय धर्मेंद्र कुशराम सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया। तेज रफ्तार कार और बाइक की टक्कर में उसका पैर टूट गया और वह सड़क पर ही गिर पड़ा। घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचना देकर उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।अस्पताल पहुंचने के बाद जो स्थिति सामने आई वह और अधिक चिंताजनक रही। घायल युवक को तत्काल उपचार नहीं मिल सका क्योंकि उस समय अस्पताल में कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था। बताया गया कि युवक करीब तीन घंटे तक दर्द से कराहता रहा जबकि परिजन और ग्रामीण डॉक्टर की तलाश में भटकते रहे।

यह स्थिति तब सामने आई है जब जिला प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने के लिए लगातार निरीक्षण और सख्त निर्देश दिए जा रहे हैं। इसके बावजूद अस्पतालों में चिकित्सकों की अनुपस्थिति व्यवस्था की गंभीर खामी को दर्शाती है।घटना ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि यदि आपात स्थिति में भी अस्पतालों में डॉक्टर उपलब्ध नहीं होंगे तो मरीजों की जान की जिम्मेदारी कौन लेगा। स्वास्थ्य सेवाओं की यह हकीकत प्रशासनिक दावों पर भी सवाल खड़े करती है।

नर्मदा घाट पर सेवादारों का श्रमदान स्वच्छता का दिया संदेश

डिंडौरी।

नगर के स्वर्ण मंदिर नर्मदा डेम घाट में रविवार सुबह सेवादारों ने स्वच्छता श्रमदान कर घाट की सफाई की। प्रत्येक रविवार चलाए जा रहे मैया अभियान के तहत मां नर्मदा नदी के घाटों को स्वच्छ रखने के लिए यह अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है।रविवार सुबह सात बजे मुख्य डेम घाट पर नर्मदा सेवादारों ने श्रमदान करते हुए घाट में फैली प्लास्टिक पन्नियां विसर्जन सामग्री और दोना पत्तल को एकत्र किया। इसके बाद पूरे घाट में झाड़ू लगाकर सफाई की गई और वातावरण को स्वच्छ बनाया गया।

इस दौरान सेवादारों ने घाट पर मौजूद लोगों को नर्मदा नदी में साबुन का उपयोग नहीं करने और जल को स्वच्छ बनाए रखने का संदेश भी दिया। उन्होंने लोगों से अपील की कि मां नर्मदा की पवित्रता बनाए रखने में सभी सहयोग करें।स्वच्छता अभियान में आर पी कुशवाहा डॉ संतोष परस्ते शिक्षक जितेंद्र दीक्षित प्राचार्य शाहिद खान प्राचार्य राम विशाल मिथलेश अरविंद मरावी जगदीश श्याम विद्यार्थी विवान प्रधान निशा साहू माही बरोतिया और महेंद्र उचेहरा सहित अन्य सेवादारों ने श्रमदान कर मां नर्मदा को समर्पित किया।

प्राथमिक शिक्षक निलंबित , शौचालय भवन में बन रहा था भोजन

शहपुरा। शहपुरा जनपद क्षेत्र के ग्राम डोमदादर में आंगनवाड़ी और प्राथमिक शाला के बच्चों के लिए शौचालय भवन में भोजन बनाए जाने का मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। समाचार में खबर प्रकाशित होने के बाद लापरवाही पाए जाने पर प्राथमिक शिक्षक माधो सिंह परस्ते को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।डिंडोरी के सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार 28 मार्च 2026 को मीडिया में प्रसारित खबर को संज्ञान में लेते हुए बीआरसी शहपुरा के माध्यम से जांच कराई गई। जांच में सामने आया कि नवंबर 2025 से सामुदायिक स्वच्छता परिसर यानी शौचालय भवन में ही बच्चों का मध्याह्न भोजन तैयार किया जा रहा था जो पूरी तरह अस्वच्छ और नियमों के विरुद्ध है।आदेश में बताया

गया कि भोजन बनाने के लिए उचित स्थान का चयन नहीं किया गया और इस गंभीर स्थिति की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को भी नहीं दी गई। इसे बच्चों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ मानते हुए संबंधित शिक्षक को प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया।

इसी आधार पर मध्यप्रदेश सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील नियम 1966 के तहत कार्रवाई करते हुए शिक्षक माधो सिंह परस्ते को निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय शहपुरा निर्धारित किया गया है और उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा।आदेश की प्रति कलेक्टर डिंडोरी संभागीय उपायुक्त जनजातीय कार्य जबलपुर कोषालय अधिकारी डिंडोरी विकासखंड शिक्षा अधिकारी शहपुरा तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के लिए भेजी गई है।

भूकंप आपदा से निपटने प्रशिक्षण शुरू बचाव तकनीकों की दी जानकारी

डिंडोरी। जिला प्रशासन द्वारा आपदा प्रबंधन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट परिसर में भूकंप पूर्व तैयारी और क्षमतावर्धन कार्यक्रम के तहत खोज और बचाव प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यह दो दिवसीय प्रशिक्षण 29 से 30 मार्च 2026 तक आयोजित किया जा रहा है।राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देश पर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और होमगार्ड नागरिक सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रशिक्षण के पहले दिन विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी पटवारी शिक्षा विभाग के प्राध्यापक पुलिस जवान एनएसएस के छात्र छात्राएं स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि और खेल विभाग के छात्र शामिल हुए।

प्रशिक्षण के दौरान प्लाटून कमांडर शिवराज पंद्रे ने भूकंप के समय ध्वस्त ढांचे में खोज और बचाव की तकनीक एसडीआरएफ के उपकरणों के उपयोग और आपदा की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने लाइन सर्च ग्रिड सर्च गो राइट स्टे राइट पद्धति ध्वस्त संरचनाओं से घायलों को सुरक्षित निकालने और इम्प्रोवाइज्ड रेस्क्यू तकनीकों का

व्यावहारिक प्रशिक्षण भी कराया।कार्यक्रम में भूकंप बाढ़ आगजनी और अन्य आपात स्थितियों में प्रभावी प्रबंधन जोखिम कम करने और सामुदायिक सहभागिता के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। प्रतिभागियों को सीमित संसाधनों में बेहतर समन्वय स्थापित कर जनहानि और संपत्ति के नुकसान को कम करने के उपाय बताए गए।कलेक्टर के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में अपर कलेक्टर जे पी यादव एसडीएम डिंडोरी भारती मेरावी तहसीलदार रामप्रसाद मार्को नायब तहसीलदार शशांक शेंडे और सुरभि जिला शिक्षा अधिकारी और खेल विभाग के अधिकारी सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।प्रशिक्षण के अंत में प्रतिभागियों को स्वल्पाहार वितरित किया गया और उनसे अपने क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता फैलाने की अपेक्षा की गई। यह प्रशिक्षण जिले में आपदा प्रबंधन की तैयारियों को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

नरवाई प्रबंधन को बढ़ावा नई तकनीक अपना रहे किसान

डिंडौरी।कृषक कल्याण वर्ष 2026 के तहत जिले में कृषि और कृषि विकास विभाग द्वारा किसानों को नई तकनीक से खेती करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी क्रम में शहपुरा विकासखंड के ग्राम कंचनपुर के किसान संजू साहू ने नरवाई प्रबंधन के लिए हैप्पी सीडर मशीन अपनाई है।कृषि अभियांत्रिकी विभाग की योजना के अंतर्गत किसान को इस मशीन पर अधिकतम 86 हजार रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ है जिससे आधुनिक खेती को बढ़ावा मिल रहा है।

किसान संजू साहू ने बताया कि हैप्पी सीडर से खेती करने पर लागत कम होती है और खरपतवार की समस्या भी घटती है। इस तकनीक से सीधी बुवाई संभव होती है और फसल अवशेष मिट्टी में मिलकर उसकी उर्वरकता बढ़ाते हैं। इससे नरवाई प्रबंधन के साथ जल संरक्षण होता है और पर्यावरण में वायु प्रदूषण भी कम होता है।किसान के खेत पर कृषि अभियांत्रिकी विभाग की उपयंत्री पूनम कोराम तथा कृषि विभाग के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी गुमान सिंह सहित बीसा से चंदन प्रभाकर और अन्य किसान मौजूद रहे। सभी ने किसानों को नई तकनीक अपनाने और आय बढ़ाने की सलाह दी।

घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग पर कार्रवाई, तीन सिलेंडर जब्त

डिंडौरी।कलेक्टर के निर्देशानुसार 29 मार्च 2026 को डिंडोरी में खाद्य विभाग द्वारा कार्रवाई की गई, जिसमें घरेलू उपयोग के एलपीजी सिलेंडरों के व्यावसायिक दुरुपयोग का मामला सामने आया।सहायक आपूर्ति अधिकारी शमीम खान तथा कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी नितिन जायसवाल की टीम ने मंडला बस स्टैंड क्षेत्र स्थित नीलकंठ होटल से दो और मनीषा होटल से एक घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किया, इस प्रकार कुल तीन सिलेंडरों को मौके से कब्जे में लिया गया।जांच के दौरान पाया गया कि इन सिलेंडरों का उपयोग व्यावसायिक कार्यों में किया जा रहा था, जो नियमों के विरुद्ध है, इसके बाद जब्त सिलेंडरों को डिंडोरी इंडेन गैस एजेंसी की सुपुर्दगी में दिया गया।अधिकारियों ने द्रविकृत पेट्रोलियम गैस प्रदाय एवं वितरण विनियमन आदेश 2000 के प्रावधानों के उल्लंघन पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बरबसपुर में बसपा की सेक्टर बूथ बैठक आयोजित संगठन मजबूती पर जोर

शहपुरा।शहपुरा जनपद क्षेत्र के ग्राम बरबसपुर में बहुजन समाज पार्टी की सेक्टर और बूथ स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन के विस्तार बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने और पार्टी की नीतियों को आम लोगों तक पहुंचाने पर विस्तार से चर्चा की गई।कार्यक्रम डिंडोरी जिला अध्यक्ष प्रताप सिंह आर्मी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी की असली ताकत बूथ स्तर से ही बनती है इसलिए सभी कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाएं और क्षेत्र में जनसंपर्क को मजबूत करें।

बैठक में पूर्व सरपंच नरपत सिंह परस्ते गहवर सिंह माया सिंह धुर्वे गंगा सिंह दल सिंह मार्को अच्छे लाल झारिया ग्राम पटेल महेंद्र झारिया आनंद सिंह मरावी फूलचंद पोशाम सावित्रीबाई पुहुप सिंह प्रहलाद प्रसाद रूप सिंह और गीताबाई सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।बैठक के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को और मजबूत बनाने तथा आगामी चुनाव में बेहतर प्रदर्शन के लिए एकजुट होकर काम करने का संकल्प लिया।

बेटियों के सुरक्षित भविष्य की दिशा में बड़ा कदम, 2,211 किशोरियों को लगा एचपीवी टीका

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। "सावधानी ही सुरक्षा है" के सिद्धांत को अपनाते हुए जिला प्रशासन अनूपपुर द्वारा संचालित एचपीवी टीकाकरण अभियान निरंतर जारी है। इस अभियान के अंतर्गत अब तक जिले की 2,211 किशोरियों को एचपीवी वैक्सीन लगाई जा चुकी है, जो उन्हें भविष्य में होने वाले सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा प्रदान करेगी। यह अभियान कलेक्टर हर्षल पंचोली एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अर्चना कुमारी के निर्देशन में स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के समन्वय से संचालित किया जा रहा है। टीमें गांव-गांव और स्कूल-स्कूल पहुंचकर न केवल टीकाकरण कर रही हैं, बल्कि अभिभावकों और किशोरियों को इस बीमारी के प्रति जागरूक भी बना रही हैं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं एएनएम द्वारा घर-घर संपर्क कर अभियान को गति दी जा रही है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, सोमवार 30 मार्च 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

सर्व धर्म मिलन समारोह आज

नरसिंहपुर। ईद-उल-फितर, श्रीरामनवमी, वैसाखी, महावीर जयंती, अंबेडकर जयंती और गुड फ्राइडे को लेकर सर्व धर्म मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन समिति समन्वय परिवार, नरसिंहपुर ने बताया कि सच्चिदानंद आश्रम की एकता वाटिका में आज 30 मार्च को शाम 4 बजे यह आयोजन होगा। आयोजन समिति समन्वय परिवार ने सभी से उपस्थिति के अपील की है।

युवक ने खाया जहर

नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र सुआतला निवासी युवक द्वारा जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रदीप पिता मनोहर लोधी उम्र 20 वर्ष निवासी रमपुरा सुआतला द्वारा अपने ही घर पर अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया जिसे परिजनों द्वारा उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

किशोर ने खाई जहरीली वस्तु

नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र स्टेशनगंज निवासी किशोर द्वारा जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रियांश पिता पुरुषोत्तम पटेल उम्र 14 वर्ष निवासी वारूरेवा थाना स्टेशनगंज द्वारा अपने ही घर पर अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया जिसे परिजनों द्वारा उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

आज सार्वजनिक अवकाश घोषित

नरसिंहपुर। राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में तथा जनभावनाओं और स्थानीय परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए जिले में पूर्व में घोषित सार्वजनिक अवकाश में संशोधन किया गया है। कैलेंडर वर्ष 2026 के लिए घोषित अवकाशों की सूची में मंगलवार 31 मार्च को महावीर जयंती के उपलक्ष्य में घोषित अवकाश के स्थान पर अब जिले में सोमवार 30 मार्च को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने का आदेश कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जारी किया है। कलेक्टर के द्वारा जारी आदेश के मुताबिक मंगलवार 31 मार्च को सभी शासकीय कार्यालय एवं संस्थाएं पूर्ववत खुले रहेंगे।

अधेड़ ने खाया जहर

नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र ठेमी निवासी अधेड़ व्यक्ति द्वारा जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार राजेश सिलावट पिता अंजन सिलावट उम्र 45 वर्ष निवासी नयागांव थाना ठेमी द्वारा अपने ही घर पर अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया जिसे परिजनों द्वारा उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

सुकर के हमले से व्यक्ति घायल

नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र कोतवाली निवासी व्यक्ति को घर पर ही सूकर ने हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि मानसिंह महरा पिता प्रदीप उम्र 35 वर्ष निवासी गरकटा थाना कोतवाली अपने घर पर था तभी सूकर ने आकर हमला कर दिया जिससे वह घायल हो गया जिसे परिजनों द्वारा उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

दुर्घटना में युवक की मौत

नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र स्टेशनगंज के लक्ष्मी नाराणयण हास्पिटल के पास हुई सड़क दुर्घटना मे युवक की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि विकास शर्मा पिता भरत शर्मा उम्र 30 वर्ष निवासी स्टेशनगंज को लक्ष्मीनारायण अस्पताल के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे वह घायल हो गया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग पंचनामा तैयार कर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

नहीं रहे सुभाष जैन

नरसिंहपुर। नगर के गांधी वार्ड निवासी एवं नरसिंहपुर टाइम्स के पूर्व प्रधान संपादक सुभाष जैन का इंदौर में करीब 70 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार इंदौर में किया जाएगा। वे राजेश, दिनेश एवं मुकेश जैन के चाचा श्री थे।

नारी सशक्तिकरण और "नो पॉलिथीन" का दिया संदेश

गोटेगांव (करकबेल)। रामनवमी के पावन अवसर पर प्राणी मित्र समिति द्वारा बालिकाओं का माता स्वरूप मानकर विधिवत पूजन एवं तिलक किया गया।समिति के संचालक डॉ. विनय ने मातृशक्ति का सम्मान करते हुए नारी सशक्तिकरण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि समाज की उन्नति में नारी की महत्वपूर्ण भूमिका है।

मंत्री श्री सिंह ने निशुल्क कोचिंग पहुंचकर विद्यार्थियों से किया संवाद

विद्यार्थियों को दिए सफलता मंत्र

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस प्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने रविवार को शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर पहुंचकर निःशुल्क जेईई एवं नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास और अनुशासन का संदेश दिया। मंत्री श्री सिंह ने कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से उनके भविष्य के लक्ष्यों के बारे में चर्चा की। उन्होंने आईपीएस, आईएएस, इंजीनियर और डॉक्टर बनने की इच्छा रखने वाले विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि आपसी चर्चा और सीखने की प्रवृत्ति से ज्ञान में वृद्धि होती है। विद्यार्थियों ने भी बताया कि आपसी संवाद से पढ़ाई में उन्हें लाभ मिलता है।

कैरियर काउंसलिंग की ली जानकारी

उन्होंने निःशुल्क कोचिंग में उपलब्ध सुविधाओं और पूर्व में स्कूल में पढ़ाई एवं विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्थाओं के अनुभव के बारे में जानकारी ली। विद्यार्थियों ने बताया कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है और किसी प्रकार की कमी महसूस नहीं हुई। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि ऑनलाइन कक्षाओं की शुरुआत से विद्यार्थियों को और अधिक लाभ मिलेगा तथा वे आधुनिक संसाधनों के माध्यम से बेहतर तैयारी कर सकेंगे। कैरियर काउंसलिंग के विषय में जानकारी लेते हुए मंत्री श्री सिंह को विद्यार्थियों ने बताया कि उन्हें राज्य शासन द्वारा कैरियर काउंसलिंग के माध्यम से विद्यालय स्तर पर इंजीनियरिंग सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों और संभावनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई है। मध्यप्रदेश के प्रत्येक हायर सेकेंडरी स्कूलों की कक्षाओं में डिजिटल बोर्ड के लिए तैयारी कर रहे हैं। प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों के कैरियर को लेकर हाई एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों में ऑनलाइन, बोकेशनल, मोटिवेशनल, कैरियर काउंसलिंग आदि के माध्यम से मदद मिली है। बच्चों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

निरंतर मेहनत, अनुशासन पर करें फोकस

मंत्री श्री सिंह ने निःशुल्क कोचिंग भ्रमण के दौरान जेईई व नीट कोचिंग में मिल रही शैक्षणिक सुविधाओं व गतिविधियों की विस्तार से जानकारी ली। पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार की कोचिंग विद्यार्थियों को सही दिशा प्रदान करती है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि यदि आप बड़े लक्ष्य तय करते हैं, तो उन्हें हासिल करने के लिए निरंतर मेहनत, अनुशासन और फोकस जरूरी है। दृढ़ संकल्प और लगातार प्रयास से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा, अतिरिक्त सीईओ जिला पंचायत उदय सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा, अभिलाष मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य धनंजय पटेल, राजीव ठाकुर, नवीन अग्रवाल, अमितेन्द्र नारोलिया, निशुल्क कोचिंग के नोडल अधिकारी राजीव किशोर श्रीवास्तव, अधिकारी-कर्मचारी और विद्यार्थी मौजूद थे।

शिक्षकों की सेवा सुरक्षा हेतु विधायक ने लिखा पत्र

मध्यप्रदेश शिक्षक संघ की जिला इकाई के पदाधिकारियों की मांग पर गोटेगांव के विधायक महेंद्र सिंह नागेश ने शिक्षक पात्रता परीक्षा को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान व प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह को पत्र लिखा है। इसमें पात्रता परीक्षा के कारण परेशान चल रहे जिला समेत प्रदेशभर के शिक्षकों को पात्रता परीक्षा देने संबंधी चिंता से मुक्त करने का आह्वान किया है। मांग की गई है कि प्रकरण में मंत्रीद्वय हस्तक्षेप करें। मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष सत्य प्रकाश त्यागी ने पत्र लिखने के लिए विधायक नागेश के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1995 से 2011 तक नियुक्त ऐसे शिक्षक जिन्होंने टीईटी उत्तीर्ण नहीं की है, उन्हें जुलाई एवं अगस्त में टीईटी करना जरूरी है। उन्होंने बात रखी है कि है कि ऐसे शिक्षक जो विगत 20 से 30 वर्षों से निरंतर सेवाएं दे रहे हैं। उनकी नियुक्ति प्रचलित नियम शर्तों के अनुसार ही हुई थी, वर्तमान समय में उन्हें पुनः टीईटी देना न केवल व्यवहारिक रूप से कठिन है। बल्कि यह उनके अनुभव एवं सेवाओं के प्रति अन्यायपूर्ण भी प्रतीत होता है। उन्होंने पत्र में अनुरोध किया कि इस संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय पर पुनर्विचार याचिका दायर कराएं, ताकि प्रभावित शिक्षकों को राहत मिल सके।

साहू समाज ने धूमधाम से मनाई रामनवमी

गोटेगांव। विगत दिवस साहू समाज उत्थान मंडल एवं समस्त समाज द्वारा स्वर्गीय छोटेलाल साहू राम मंदिर (निर्माणाधीन) एवं पिपलेश्वर मंदिर में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता एवं भक्त हनुमान जी का पूजन अर्चन कर रामनवमी का पर्व धूमधाम और भक्ति भाव से मनाया गया।कार्यक्रम आचार्य ओमप्रकाश मुखरैया के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। मुख्य यजमान के रूप में ट्रस्ट अध्यक्ष बद्री प्रसाद साहू, भोले साहू एवं समाज अध्यक्ष भगवानदास साहू ने विधि-विधान से पूजन किया।महाआरती में राम जानकी मंदिर ट्रस्ट के संरक्षक इंजीनियर सरदार सिंह पटेल, मंदिर निर्माण समिति अध्यक्ष पंकज चौकसे, सचिव जितेंद्र चौबे सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।इस अवसर पर मदन सोनी, भोजराज साहू, राजाराम तिवारी, खेमचंद साहू, घनश्याम साहू, सुनील साहू, ओमप्रकाश साहू, गुलाब साहू, काढ़ोरी साहू, शिवशंकर साहू, संजय साहू, सालकराम साहू सहित महिला मंडल की रूपवती साहू, साधना साहू, अनसूया साहू, अनीता साहू, विनीता साहू, लता साहू, संध्या साहू एवं आशा साहू सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।बैंड-बाजे और नृत्य के साथ उत्साहपूर्वक पर्व मनाया गया तथा प्रसाद वितरण किया गया। रात्रि 8 बजे सुंदरकांड पाठ का आयोजन हुआ, जिसमें क्षेत्रीय विधायक महेंद्र नागेश विशेष रूप से उपस्थित रहे।

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्षों का सफर, पुनरावलोकन व आत्मावलोकन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

हिंदी पत्रकारिता के गौरवशाली 200 वर्षों के इतिहास पर चर्चा करने और भविष्य की चुनौतियों का आत्ममंथन करने के उद्देश्य से आज शगुन मैरिज गार्डन में एक गरिमामयी कार्यक्रम हुआ। हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पुनरावलोकन एवं आत्मावलोकन विषय पर आयोजित इस संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर निदेशक, माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान, भोपाल उपस्थित रहे। शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन कर, पत्रकारिता के पुरोधा श्री गणेश शंकर विद्यार्थी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर हुई। इसमें नगर पालिका अध्यक्ष नीरज महाराज, भाजपा नेता महंत प्रीतम पुरी गोस्वामी, इंजी सुनील कोठारी, कांग्रेस नेता डॉ संजीव चांदोरकर, अधिवक्ता संघ के सचिव सुलभ जैन, साहित्यकार अजय तुलसी, एड प्रवीण शर्मा, इंजी. रूद्रेश तिवारी, संजय जैन भी शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन आयोजन के सूत्रधार सुशान्त पुरोहित ने किया। कार्यक्रम के दौरान श्री श्रीधर ने पत्रकारिता के उद्भव से लेकर वर्तमान स्वरूप तक के सफर को बड़ी बारीकी से उपस्थितजनों के समक्ष साझा किया। इस मौके पर उन्होंने पत्रकारिता के पुरखों को आदरांजलि देते हुए उनके योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने ने कहा कि जो बात छुपाई जाए, उसे बताया जाए वह पत्रकारिता है और जो बात सच न होते हुए भी बताया जाए वह प्रचार है।

पत्रकारिता पेशा नहीं राष्ट्र निर्माण का माध्यम

पद्मश्री विजय दत्त श्रीधर ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी पत्रकारिता का इतिहास केवल सूचनाओं का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि भारतीय स्वाधीनता संग्राम और सामाजिक चेतना का जीवंत दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि 1826 में उदन्त मार्तण्ड के प्रकाशन के साथ शुरू हुआ। यह सफर आज डिजिटल युग तक पहुँच चुका है। उन्होंने वर्तमान दौर में पत्रकारिता के गिरते मूल्यों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज पत्रकारों को स्वयं के भीतर आत्मावलोकन की आवश्यकता है ताकि विश्वसनीयता बनी रहे। उन्होंने हिंदी पत्रकारिता के पुरोधा स्व. माधवराव सप्रे के योगदान को याद करते हुए बताया कि कैसे सीमित संसाधनों में भी भाषाई मर्यादा और राष्ट्रीयहितों को सर्वोपरि रखा गया। आज हिंदी समाचारों में अंग्रेजी के शब्दों का चलन बढ़ा है जो हिंदी के लिये खतरा है। श्रीधर जी ने इस मौके पर अपनी जन्मस्थली बोहानी को प्रणाम किया और कहा कि मैं आज जो कुछ भी हूँ अपनी मातृभूमि और गुरुजनों, माता-पिता की बदौलत हूँ। आप जहाँ भी रहें विन्रम बने रहें, प्रतिद्वंदता न रखें, किसी से ईर्ष्या भाव न रखें, इंसानियत को सर्वोपरि रखें।

तकनीक व माध्यम बदले पर सत्य नहीं: विजय दत्त श्रीधर

पंडित माखनलाल चतुर्वेदी और माधवराव सप्रे भारतीय पत्रकारिता और साहित्य के वे दो स्तंभ हैं, जिन्होंने न केवल हिंदी भाषा को समृद्ध किया, बल्कि अपनी लेखनी को स्वतंत्रता संग्राम का अस्त्र बनाया। इन दोनों विभूतियों का संबंध गुरु-शिष्य जैसा था और दोनों ने मध्य प्रदेश की धरती से राष्ट्रीय चेतना को स्वर दिया। सप्रे जी ने उस समय हिंदी का झंडा बुलंद किया जब संसाधनों का घोर अभाव था। सन 1900 में उन्होंने छत्तीसगढ़ मित्र नामक पत्रिका निकालकर हिंदी पत्रकारिता की नींव रखी। उन्होंने मराठी भाषी होते हुए भी हिंदी की सेवा की और विदेशी शब्दों के स्थान पर सटीक हिंदी शब्दावली के प्रयोग पर बल दिया। सप्रे जी ने लोकमान्य तिलक के गीता रहस्य का हिंदी अनुवाद किया, जिससे हिंदी भाषी क्षेत्रों में क्रांतिकारी विचारों का प्रसार हुआ। उनकी कहानी एक टोकरी भर मिट्टी को हिंदी की पहली मौलिक कहानी होने का गौरव प्राप्त है। वहीं माखनलाल जी, सप्रे जी के मानस पुत्र और शिष्य थे। उन्होंने कविता और पत्रकारिता के माध्यम से सोए हुए राष्ट्र को जगाने का कार्य किया। सप्रे जी के मार्गदर्शन में उन्होंने प्रभा और बाद में कर्मवीर का संपादन संभाला। कर्मवीर उस दौर में निर्भीक पत्रकारिता का पर्याय बन गया था। उन्हें उनके काव्य संग्रह हिम तरंगिणी के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अंत में आभार व्यक्त बृजेश शर्मा ने किया।

जय हनुमान दुर्गा मंडल द्वारा निकाली गई माताराणी की शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस रेलवे गेट के पास जय हनुमान दुर्गा मंडल द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी माता जगत जननी की प्रतिमा से मां के दर्शन एवं जवारों की स्थापना की गई। 9 दिन तक भक्ति भाव के साथ पूजन पाठ कर विसर्जित किया गया। मंडल द्वारा नवरात्रि पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। मंडल द्वारा माता रानी की शोभायात्रा एवं जवारे विसर्जन रेलवे गेट से प्रारंभ होकर विसर्जन के लिए शोभायात्रा निकल गई जिसमें समिति के सदस्य ने कार्यक्रम में बड़े ही उत्साह के साथ माता रानी की विदाई की गई इसमें छोटे बच्चे माताएं बहने बुजुर्ग सभी ने अपनी सहभागिता प्रदान की जहां छोटे बच्चों की झांकी अखाड़े बच्चों का मनमोहन रही थी वहीं जगह-जगह लोगों ने स्वागत वंदन किया समिति सदस्यों का कहना है कि जय हनुमान दुर्गा मंडल द्वारा प्रतिवर्ष कुछ नया करने के हिसाब से जहां एक बार नोटों की झांकी बनाकर माता रानी के दर्शन के लिए पूरे प्रदेश में नरसिंहपुर का नाम पहुंचा है वही बर्फ झांकी बनाकर जनमानस में जय हनुमान दुर्गा मंडल रेलवे गेट जाना जाता है एवं माता रानी की कृपा बनी रहे।

सिर पर सजे कलशजवारें धूमधाम से निकली भव्य शोभायात्रा

बैलहाई

बाजार स्थित मां ठाकरान दाई मंदिर सहित नगर में आदिशक्ति आराधना चैत्र नवरात्र पावन पर्व के समापन के शुभ अवसर पर विभिन्न स्थानों पर स्थापित माताराणी की प्रतिमा घट कलश व जवारों की नौ दिनों तक श्रद्धाभक्ति से पूजनअर्चन आरती वंदन सेवा करने के उपरांत भक्तों द्वारा भव्य शोभायात्रा के रूप में हर्षोल्लासमय वातावरण के साथ भक्ति श्रद्धापूर्वक धूमधाम से निकाली गई,शोभायात्रा बैंड बाजे ढोल धमाकों आतिश बाजी केसाथ संगीतमय मधुर धुन पर देवी गीतों के साथ युवक युवतियां झूमते नाचते गाते हुए एवं महिलाएं सिर पर घट जवारें खप्पर रखे हुए वही युवा एवं बच्चे तोरण ध्वज थामे हुए माताराणी का जयकारा लगाते हुए सारे नगर को गुंजायमान कर धर्ममय बनाकर अपनी भक्ति श्रद्धा प्रकटकर रहे थे जगहजगह श्रद्धालुबंधुओं द्वारा जलपान की समुचित व्यवस्था करने के साथ साथ कलश जवारों पर मां नर्मदा जल दूध चढ़ाकर पूजन अर्चन करने के साथही कुछ भक्तों द्वारा लोहे के बाने धारण कर करने के अलावा कुछ श्रद्धालुबंधु दंड भरते हुए माताराणी के प्रति असीम श्रद्धाभक्ति दर्शाते हुए चलने के साथही शोभा यात्रा के आगे आगे अखाड़ों के कलाकारों द्वाराअपनी कलाओं का शानदार प्रदर्शनकर श्रद्धालुबंधुओं का मनमुग्ध कर दियाः वहीं दूसरी ओर बैलहाई बाजार स्थित माता ठकरान दाईजी के दरबार में स्थापित आकर्षक मनोहारी मनमोहक अति सुंदर 101 घट कलश व जवारे के दर्शनकर नगर वासियों ने धर्मलाभ उठाया,भव्य शोभायात्रा अश्व पर सवार युवक ध्वजा लिए रहने के साथसाथ माता महाकाली का स्वरूप धारण जीवंत झांकी के साथसाथ सुसज्जित बग्गी विभिन्न प्रकार की मनमोहक आकर्षक

झांकियों जनआकर्षक का केंद्र बनी हुई थी नगर के विभिन्न मार्ग बैलहाईबाजार से भगतराम चौराहा सराफा बाजार से श्रीदेव ठाकुर बाबा होते हुए अति प्राचीनतम माता खेरमाई मैयाजी एवं नगर देवता श्रीदेवठाकुर बाबाजी के मंदिर पहुंचकर पूजन अर्चन आरती वंदन करने के पश्चात कलश जवारों को विसर्जित करने जबरहाऊ तलैया एवं मां नर्मदातट झांसीघाट मुंआरघाट पहुंचकरपूर्ण विधि विधान मंत्रोच्चारण के साथ कलश जवारों का भक्तिभाव के साथ श्रद्धा पूर्वक विसर्जन किए जाने के अवसर पर बड़ी संख्या में मातृशक्ति व श्रद्धालु बंधुओ ने उपस्थित होकर धर्मलाभ उठाया

श्री विष्णु महायज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन

तेंदूखेड़ा इन दिनों संपूर्ण क्षेत्र में धार्मिक आयोजनों का क्रम जारी बना हुआ है।इसी श्रंखला के चलते समीपी ग्राम बंधी सर्रा में ग्राम वासियों के सहयोग से यहां पर विराजमान संत रामकृष्ण जी महाराज अयोध्या की प्रेरणा से आगामी 8 अप्रेल से पंचकुण्डात्मक श्री विष्णु महायज्ञ श्रीमद्भागवत साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है।14 अप्रेल तक चलने वाले इस महायज्ञ के यज्ञाचार्य पं प्रमोद पचोरी कथा व्यास पं शिव ओम कृष्ण शास्त्री होंगे जो दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक भगवान की लीलाओं का गुणानुवाद करेंगे। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से उपस्थिति की अपील की है।

नगर परिषद में ऐल्डरमेनों की नियुक्तियां

तेंदूखेड़ा विगत दिवस म प्र की समस्त नगर परिषदों में एल्डरमैन नियुक्त किए गए हैं।इसी सिलसिले में भाजपा जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक की अनुशंसा पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमन्त खण्डेलवाल द्वारा नगर परिषद तेन्दूखेड़ा हेतू पुरुषोत्तम पटैल राजू पाली मनीष चौबे ठाकुर दास हरिजन को एल्डरमेन नियुक्त किया गया है इनकी नियुक्ति पर शुभ चिंतकों ने बधाईयां प्रेषित की हैं।

अखंड रामायण पाठ का आयोजन

तेंदूखेड़ा समीपी ग्राम ऊमरपानी स्थित इच्छापूर्ति पंचमुखी हनुमान मंदिर में अखंड रामायण पाठ के साथ श्री राम कथा श्री गणेश पुण्य सलिला मां नर्मदा जी की प्राण प्रतिष्ठा समारोह महंत कमल गिरि महाराज के सानिध्य में किया जा रहा है। जिसमें क्षेत्रीय ग्रामीण जन श्रोतागण प्रतिदिन दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक चल रही है।

श्री हनुमान प्रकटोत्सव पर होंगे विविध आयोजन

तेंदूखेड़ा

श्री राम रसिया संकटमोचक हनुमान जी महाराज के प्रकटोत्सव महापर्व पर तेंदूखेड़ा सहित आस पास ग्रामीण क्षेत्रों में विविध धार्मिक आयोजन आयोजित किए जाएंगे। जगह-जगह अखंड रामायण पाठ सुंदरकांड पाठ चोला बंदन का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।इसी सिलसिले में नगर के हृदय स्थल में स्थित श्री राम रसिया हनुमान जी महाराज दादा दरबार में तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।31 मार्च से 2 अप्रेल तक सहस्त्रार्चन नगम चमक अभिषेक हनुमाष्टक सुंदरकांड पाठ के साथ हवन पूजन किया जायेगा। विशाल भंडारे के साथ 2 अप्रेल को महाआरती संगीतमय सुंदरकांड पाठ चालीसा पाठ का आयोजन किया जाएगा।

नगर में निकलेगी विशाल शोभायात्रा- विश्वहिंदू परिषद और बजरंग दल और बाहन चालक एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में नगर में श्री हनुमान प्रकटोत्सव महापर्व धूमधाम से मनाये जाने को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही है।राम घाट स्थित श्री हनुमान मंदिर परिसर से विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी जो मंगल भवन से विशेष झांकी अखाड़े के साथ नगर के मुख्य मार्गों से गुजरेगी। दोपहर में संतों द्वारा धर्म सभा का आयोजन किया जायेगा। कृषि उपज मंडी परिसर में विराजमान हनुमान मंदिर में भी सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा।नगर के सभी हनुमान मंदिरों में विशेष साज सज्जा की जा रही है। हरसिद्धि मंदिर परिसर तथा ऊमरपानी स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में भी विशेष पूजन अर्चन सुंदरकांड पाठ भंडारे का आयोजन किया जाएगा।